चिंता | बारिश के इंतजार में किसान, समय पर पानी नहीं मिला तो फसल हो सकती है प्रभावित

रूठे बादलों ने बढ़ाई किसानों की चिंता

अमरपुर नवभारत 13 जुलाई। जनपद पंचायत क्षेत्र में खरीफ फसलों की बोवनी और अंकुरण के बाद बारिश का सिलसिला थमने से किसानों की चिंता बढ़ गई हैं।

पिछले चार दिनों से बारिश नहीं होने और तेज धूप के कारण खेतों की नमी तेजी से कम हो रही हैं। इससे मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों के अंकुरण पर असर पड़ने की आशंका हैं। किसानों का कहना हैं कि यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो चिंता बढ़ सकती हैं। इससे उनकी लागत और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ जाएंगे।

बढ़ गई हैं किसानों की लागत

किसानों का कहना हैं कि खरीफ सीजन की पहली बोवनी सबसे महत्वपूर्ण होती हैं। यदि दोबारा बोवनी करनी पड़ी तो बीज, मजदूरी, ट्रैक्टर, डीजल सहित कृषि कार्यों पर दोबारा खर्च करना पड़ेगा। किसान नवल बनवासी ने बताया कि शुरुआती बारिश के बाद अच्छी फसल की उम्मीद थी, लेकिन अब बारिश नहीं होने से चिंता बढ़ गई हैं। यदि अगले कुछ दिनों में पानी नहीं गिरा तो फसलों पर संकट की नौबत आ सकती हैं।

भूजल और जलस्रोतों को लेकर भी बढ़ी चिंता

किसानों ने बताया कि बारिश की कमी केवल फसलों के लिए ही नहीं बल्कि भूजल स्तर के लिए भी चिंता का विषय हैं। पर्याप्त वर्षा नहीं होने से तालाब, कुएं और अन्य जल स्रोत नहीं भर पा रहे हैं। यदि मानसून का यह अंतराल लंबा खिंचता हैं तो आगे चलकर सिंचाई और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती हैं।

बारिश के बाद थमा मानसून, खेतों की नमी भी घटी

खरीफ सीजन की शुरुआत में हुई अच्छी बारिश से उत्साहित किसानों ने अपने खेतों में बोवनी पूरी कर ली थी। शुरुआती बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी थी, लेकिन इसके बाद मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई। लगातार तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण मिट्टी की नमी तेजी से खत्म हो रही हैं। खेतों में डाले गए बीज जो पौधे बन चुके हैं वह अब बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का कहना हैं कि समय पर पानी नहीं मिला तो फसल के प्रभावित होने के साथ खराब होने का खतरा भी बढ़ जाएगा।

बरुआ नाला बना मुसीबत का रास्ता

चार साल से पुलिया का इंतजार, बरसात में आदिवासी बस्ती का टूट जाता है संपर्क

चिल्हारी नवभारत 13 जुलाई। नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित बरुआ नाला पर पुलिया का निर्माण चार वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। पुलिया के अभाव में हर बरसात स्थानीय नागरिकों, विशेषकर आदिवासी बस्ती के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार नगर परिषद मानपुर और जिला प्रशासन से पुलिया निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के दौरान बरुआ नाला उफान पर आ जाता है, जिससे नाले के उस पार रहने वाले आदिवासी परिवारों का मुख्य मार्ग से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर नाला पार कर विद्यालय जाना पड़ता है, जबकि बुजुर्ग, महिलाएं और अन्य ग्रामीण भी इसी रास्ते से आने-जाने को मजबूर हैं।

बस्ती तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग है

ग्रामीणों का कहना है कि यह बस्ती तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग है। बारिश के समय नाले में पानी बढ़ने पर एम्बुलेंस, मोटरसाइकिल और अन्य वाहन भी नहीं पहुंच पाते। ऐसे में किसी मरीज, गर्भवती महिला या अन्य आपात स्थिति में समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है। वार्डवासियों के अनुसार बरुआ नाला पर पुलिया निर्माण के लिए कई बार नगर परिषद मानपुर एवं जिला कलेक्टर को आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

एनएच-45 से हटाए गए आवारा मवेशी

ग्राम पंचायत करंजिया ने चलाया विशेष अभियान

करंजिया, नवभारत 13 जुलाई। जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-45) पर आवारा मवेशियों के कारण लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों और यातायात में हो रही बाधा को देखते हुए ग्राम पंचायत करंजिया ने सोमवार को विशेष अभियान चलाकर हाईवे पर विचरण कर रहे मवेशियों को हटाने की कार्रवाई की।

अभियान के दौरान मुख्य मार्ग पर बैठे सभी आवारा पशुओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर गौशाला लूटी टोला (मोहतरा) भेज दिया गया। ग्राम पंचायत प्रशासन ने क्षेत्र के पशुपालकों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि जिनके गाय या अन्य मवेशी इस कार्रवाई के दौरान गौशाला भेजे गए हैं, वे शीघ्र गौशाला पहुंचकर अपने पशुओं की पहचान करें तथा नियमानुसार उन्हें वापस ले जाएं। साथ ही भविष्य में पशुओं को खुले में छोड़ने से बचें, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके।

आवारा मवेशियों से बना रहता है दुर्घटनाओं का अंदेशा-गौरतलब है कि एनएच-45 पर दिन और रात के समय सड़क पर बैठे आवारा मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता था। विशेष रूप से रात के समय वाहन चालकों को पशु समय पर दिखाई नहीं देने से कई हादसे हो चुके हैं। ग्राम पंचायत की इस पहल का स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने स्वागत करते हुए इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

करोड़ों की लागत से बना छात्रावास, लेकिन पारदर्शिता गायब!

सीएम राइज छात्रावास निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और निर्माण प्रक्रिया पर उठे सवाल

शहपुरा नवभारत 13 जुलाई। जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम चरगांव में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित जिले का सबसे बड़ा सीएम राइज विद्यालय लगभग दो वर्षों से तैयार खड़ा है और विद्यार्थियों के प्रवेश व संचालन की प्रतीक्षा कर रहा है, वहीं विद्यार्थियों के लिए बनाए जा रहे छात्रावास भवनों के निर्माण कार्य को लेकर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में पारदर्शिता के अभाव, गुणवत्ता से समझौता किए जाने तथा तकनीकी मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस हाउसिंग बोर्ड से निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग की है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये की इस परियोजना में अब तक निर्माण स्थल पर सूचना पटल तक नहीं लगाया गया है।

ग्रामीण पारदर्शिता पर उठा रहे सवाल

गांव के मूरत एवं भोलू ने बताया कि यदि सूचना पटल लगाया जाता तो ग्रामीणों को यह जानकारी मिलती कि निर्माण किस लागत, किस विभाग और किन तकनीकी मानकों के अनुसार कराया जा रहा है। उनका कहना है कि सूचना सार्वजनिक नहीं होने से निर्माण कार्य की निगरानी और जवाबदेही प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि भवन के कॉलम और बीम में निर्धारित मानकों एवं स्वीकृत ड्राइंग के अनुरूप स्टील का उपयोग नहीं किया जा रहा है। जिससे यहां रहने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग

ग्रामीणों ने निर्माण सामग्री, स्टील की मात्रा, सीमेंट-कंक्रीट की गुणवत्ता तथा संपूर्ण निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर गुणवत्ता परीक्षण के लिए न तो कोई साइट लैब प्रारंभ से संचालित की गई और न ही आवश्यक परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराए गए।

एक नजर में

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला सम्मेलन 17 को

चिल्हारी नवभारत। मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ, उमरिया का बहुप्रतीक्षित जिला सम्मेलन आगामी 17 जुलाई को प्रातः 11 बजे से टाइगर हेवन रिसोर्ट, ताला (बांधवगढ़), मानपुर में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के प्रांत अध्यक्ष आदरणीय शलभ भदौरिया अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। कार्यक्रम में जिले की अनेक सम्मानित विभूतियों, सामाजिक एवं प्रबुद्ध जनों की भी सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर उमरिया जिले के सभी श्रमजीवी पत्रकार साथी बड़ी संख्या में सम्मेलन में शामिल होंगे। साथ ही शहडोल एवं अनूपपुर जिलों से भी श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मेलन में भाग लेकर संगठन की एकजुटता और पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

11 दिन बाद दिखी कॉलर वाली बाघिन

प्रबंधन ने ली राहत की सांस, रेडियो कॉलर निष्क्रिय होने से नहीं मिल रहा था लोकेशन

चिल्हारी नवभारत 13 जुलाई। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मे पिछले 11 दिनों से लापता कॉलरधारी मादा बाघिन आखिरकार रविवार को अपने होम रेंज में सुरक्षित मिल गई। बाघिन के स्वस्थ मिलने के बाद प्रबंधन ने राहत की सांस ली है।

जांच में सामने आया कि टाइग्रेस का रेडियो कॉलर पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है, जिसके कारण उसकी लोकेशन मिलना बंद हो गई थी। बीटीआर के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय के अनुसार मादा बाघिन की अंतिम जीपीएस लोकेशन 1 जुलाई को प्राप्त हुई थी। इसके बाद सिग्नल बंद होने से उसकी निगरानी प्रभावित हो गई। उसी दिन से वन परिक्षेत्र अधिकारी के नेतृत्व में बीट गार्डों और सुरक्षा श्रमिकों की टीम ने उसके विचरण क्षेत्र में खोज अभियान शुरू किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

खोजी दल को मिले बाघिन के पदचिन्ह

आखिरकार खोजी दल को बाघिन के पदचिन्ह मिले। इसके बाद हाथियों के दल को मौके पर भेजा गया और 12 जुलाई को कॉलरधारी मादा बाघिन को उसके होम रेंज में सुरक्षित खोज लिया गया वन अधिकारियों के अनुसार बाघिन पूरी तरह स्वस्थ है, जबकि उसका रेडियो कॉलर पूरी तरह काम करना बंद कर चुका है। पार्क प्रबंधन के कर्मियों ने बताया कि पिछले दस माह से बाघिन की सघन मॉनिटरिंग की जा रही थी।

100 वर्ग किलोमीटर में चला सर्च ऑपरेशन

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अगले दिन से खोज अभियान का दायरा बढ़ाया गया और पांच-पांच सदस्यों की तीन टीमें गठित कर लगभग 100 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया। लगातार बारिश के कारण अभियान कई बार प्रभावित हुआ, फिर भी तलाश जारी रही। खोज अभियान को प्रभावी बनाने के लिए दो प्रशिक्षित हाथियों और उनके महावतों की मदद ली गई।

स्कूलों में जीवन कौशल सत्रों पर दिया गया जोर

शिक्षकों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित

डिंडौरी, नवभारत 13 जुलाई। आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत डिंडौरी विकासखंड के अझवार, जमगांव, बटौंधा, विक्रमपुर एवं शाहपुर संकुल के माध्यमिक एवं एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए वर्ष-3 मॉड्यूल पर आधारित एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर राहुल शुक्ला, शैलेन्द्र तिवारी एवं सहदेव सिंह सैयाम ने शिक्षकों को सक्षम जीवन कौशल सत्रों की गुणवत्ता, सत्रों की संरचना, उनके प्रमुख तत्वों तथा विद्यार्थियों में आने वाले व्यवहारिक एवं सकारात्मक परिवर्तनों की पहचान करने के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। साथ ही विद्यालयों में प्रभावी एवं सहभागी शिक्षण पद्धति अपनाने पर भी जोर दिया गया।

अभियान से बच्चों में बढ़ेगा आत्मविश्वास-इस अवसर पर सक्षम कार्यक्रम के जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रबंधक नीरज तिवारी एवं अमित शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में सक्षम जीवन कौशल सत्रों का नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल तथा सकारात्मक सोच के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को इस प्रकार दक्ष बनाना है कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में प्रभावी योगदान दे सकें।

मेहंदवानी के विकास कार्यों को मिली गति

आंगनबाड़ी भवनों का किया गया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

शहपुरा नवभारत 13 जुलाई। आकांक्षी विकासखण्ड मेहंदवानी में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं बाल विकास सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने ग्राम पंचायत जैतपुरी एवं ग्राम पंचायत सारंगपुर में नवनिर्मित आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को नवीन विकास कार्यों की सौगात भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत फुलवाही के ददरा टोला तथा ग्राम पंचायत मेहंदवानी के गांजर टोला एवं बगई टोला में नवीन आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जैतपुरी में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नवीन आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल शिक्षा संबंधी सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत अधोसंरचना के विकास से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और समग्र विकास को नई गति प्राप्त होगी।

पौधरोपण के साथ संरक्षण भी करें सुनिश्चित : कलेक्टर

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत धमनगांव में 15 हजार फलदार व औषधीय पौधों का रोपण

डिंडौरी, नवभारत 13 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सोमवार को विकासखंड डिंडौरी के धमनगांव (जोगीटिकरिया) में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान के अंतर्गत 30 हेक्टेयर क्षेत्र में 15 हजार फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार सोलंकी, एसडीओ (आईएफएस) विशाल कुमार, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर अभियान में सहभागिता निभाई।

अभियान भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है : भदौरिया-कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे एवं वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार सोलंकी ने विधिवत पूजन-अर्चन के साथ पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

जनअभियान से जुड़ने की अपील की-उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प ले। पौधे सुरक्षित रहेंगे और विकसित होंगे, तभी पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सार्थक होगा तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा आमजन से भी अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस जनअभियान से जुड़ने की अपील की।

अलर्ट | जीएम चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग, बसों की जांच पर भी उठे सवाल

एनएच-43 हादसे के बाद एक्शन में पुलिस

नौरोजाबाद नवभारत 13 जुलाई। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत के बाद उमरिया पुलिस और यातायात विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नौरोजाबाद के जीएम चौराहे पर यातायात प्रभारी ज्योति शुक्ला के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के दस्तावेज और अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए, जबकि कई लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश देकर छोड़ा गया।

सुरक्षा व्यवस्थाओं की सख्ती से जांच की जाए

हालांकि इस कार्रवाई के बीच स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं कि क्या अभियान केवल हेलमेट और दस्तावेजों की जांच तक ही सीमित रहेगा। लोगों का कहना है कि जिले में कई स्कूली और यात्री बसें बिना फिटनेस, परमिट, रिफ्लेक्टिव रेडियम और अन्य जरूरी सुरक्षा मानकों के संचालित हो रही हैं। कई बसों में क्षमता से अधिक बच्चों और यात्रियों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा है, जिससे बड़े हादसों का खतरा बना रहता है। नागरिकों का मानना है कि यदि बसों की फिटनेस, ओवरलोडिंग और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी सख्ती से जांच की जाए, तभी ऐसे अभियान अपने वास्तविक उद्देश्य में सफल साबित होंगे।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

मुख्य नपा अधिकारी ने अमृत 2.0 पेयजल टंकियों का किया औचक निरीक्षण

डिंडोरी, नवभारत 13 जुलाई। नगर परिषद डिंडोरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी ने विगत दिवस निकाय क्षेत्र में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन पेयजल टंकियों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेकर शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने सिविल निर्माण की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति, तकनीकी मानकों तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निर्माण गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं-उन्होंने मौके पर मौजूद तकनीकी अधिकारियों, उपयंत्रियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि शेष सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने पाइपलाइन एवं जल वितरण प्रणाली को भी शीघ्र क्रियाशील करने के निर्देश देते हुए कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर होगी कार्रवाई-मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी ने कहा कि अमृत 2.0 योजना के माध्यम से नगर के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए निकाय द्वारा नियमित मॉनिटरिंग और औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में अनावश्यक देरी या लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।